नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305

इ-मेल: mgahvpro@gmail.com वेबसाइट : www.hindivishwa.org

अब डिग्रियां होंगी डिजिटल, एक क्लिक पर मिलेंगे दस्तावेज

डिजिटलीकरण में हिंदी विवि की महत्वपूर्ण पहल

वर्धा, 28 अगस्त 2017: पढ़ाई खत्म होने के बाद विद्यार्थियों को डिग्री या प्रमाण पत्र के लिए विश्वविद्यालय के चक्कर लगाने से मुक्ति मिल जाएगी। भारत सरकारने एक ऐसा प्लेटफार्म विकसित किया है जिससे विद्यार्थी हमेशा के लिए अपने दस्तावेज डिजिटल प्लेटफार्म पर सुरक्षित कर सकेगा। दरअसल नेशनल सेक्युरिटिज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) की शुरूआत पूर्व

राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने 9 जुलाई 2017 को की थी। इसके अंतर्गत आपके प्रमाण पत्र, अंकपत्र और मार्कशीट जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है और इसके लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने नेशनल एकेडेमिक डिपॉजिटरी बनाई है। डिजिटलीकरण के इस काम के लिए एनसडीएल का गठन किया गया है। इसके तहत महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय

हिंदी विश्वविद्यालय ने एनएसडीएल के साथ एक सामंजस्य करार किया है। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र एवं कुलसचिव कादर नवाज़ ख़ान ने इसे विश्वविद्यालय के डिजिटलीकरण के दौर में महत्वपूर्ण कदम माना है। वहीं एनएसडीएल के सह-अध्यक्ष प्रशांत प्रचंड ने कहा कि विद्यार्थियों के प्रमाण पत्र सुरक्षित रखने तथा बनावटी प्रमाण पत्रों से बचने के लिए यह महत्वपूर्ण पहल है। आधार कार्ड के जरिए विश्व के किसी भी कोने से इसे डाउनलोड किया जा सकेगा और विश्वविद्यालयों को प्रमाण पत्रों को मुद्रित करने की आवश्यकता नहीं होगी। नौकरी के समय प्रमाण पत्र सत्यापन करना हो या किसी खोए दस्तावेज की प्रति पाना हो तो इसके लिए विद्यार्थियों का समय नष्ट नहीं होगा। प्रमाण पत्र एक क्लिक पर ही उपलब्ध हो पाएंगे। एनएसडीएल के साथ अभी तक 175 संस्थाएं जुड़ गयी है और 40 लाख से अधिक प्रमाण पत्र अपलोड किये जा चुके हैं। यह योजना लागू होते ही त्वरित शामिल होने वाले विवि में हिंदी विश्वविद्यालय एक है। समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान के मौके पर प्ररीक्षा प्रभारी के. के. त्रिपाठी और लीला प्रभारी गिरीश पाण्डेय उपस्थित थे।